Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati

Syllabus Prescribed Under Choice based Credit system 2023-24

Faculty: Humanities

Programme: B.A. II (Sem-III)

Hindi Literature

Part A

प्रस्तावना :-

संत गाडगे बाबा अमरावती विश्विद्यालय,अमरावती द्वारा यूजीसी के नवीनतम निर्देशानुसार सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम का निर्माण और क्रियान्वयन करने की दिशा में जो पहल की गई है, वह निश्चित ही स्तुत्य और अभिनंदनीय है। यह तो सर्वविदित तथ्य है कि यूजीसी के नवीनतम निर्देशों का प्रमुख उद्देश्य और लक्ष्य ही परंपरागत शिक्षा पद्धति की खामियों को दूर कर छात्रों के सर्वांगीण उन्नति के मार्ग को प्रशस्त करना हैं। हिंदी अभ्यास मंडल संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय अमरावती की भी हार्दिक मंशा यही रही हैं कि, छात्रों को आत्मनिर्भर और स्वयंपूर्ण बनाना ही अध्ययन और अध्यापन का प्रथम लक्ष्य हो। अस्तु बी.ए. साहित्य के छात्रों के लिए एक ऐसा पाठ्यक्रम निर्धारित और क्रियान्वित करने का सार्थक प्रयास किया गया हैं, जो छात्रों के सर्वांगीण उन्नति के अवसर प्रदान करने में सहायक सिद्ध हो सके।

साहित्य किसी भी व्यक्ति के आंतरिक और बाहय व्यक्तितत्व का परिमार्जन कर संस्कारित करने की क्षमता रखता हैं। अत एव बी.ए. के छात्रों को साहित्य की लगभग सभी प्रमुख विधाओं का परिचय करवा कर, उन्हें उसमें अभिरूचि निर्माण कराने की दिशा में पाठ्यक्रम का प्रारूप तैयार किया गया हैं। प्राचीन और आधुनिक साहित्य अपनी महत्ता और स्थान रखते हैं, इसलिए इन्हें समान रूप से पाठ्यक्रम में सम्मिलित करने की कोशिश की गई हैं। तो वहीं दूसरी ओर, कौशल विकास के अंतर्गत छात्रों को रोजगारोंन्मुख तकनिकी ज्ञान और अभ्यास कराने का यत्न किया गया हैं। जो उसके लिए निश्चित ही उपादेय एवं प्रेरणादायी सिद्ध हो सकता हैं। हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास हैं कि, प्रस्तुत पाठ्यक्रम आत्मनिर्भर, संवेदनशील और राष्ट्र व संस्कृति के प्रति आस्था रखने वाली पीढ़ी का निर्माण करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेगा। यह पाठ्यक्रम छात्रों के सकारात्मक एवं प्रेरणादायक विचारों को सुदृढ़ और सक्षम करने में सहायक सिद्ध होगा। जिससे एक सुदृढ़ समाज और राष्ट्र की नीव रखी जायेगी।

POs:

1. छात्रों में हिंदी भाषा और साहित्य के प्रति रूचि निर्माण करना।
2. हिंदी समृद्ध साहित्यिक परंपरा से छात्रों को अवगत कराना।
3. हिंदी साहित्य की उपादेयता और प्रासंगिकता को अधोरेखित कराना।
4. साहित्य की विभिन्न विधाओं के प्रति रूचि निर्माण कर उन्हें संस्कारित कराना।
5. साहित्य विकास में सम्मिलित इकाइयों के माध्यम से छात्रों में स्वयं रोजगार की क्षमता विकसित कराना।
6. जीवन में साहित्य की महत्ता और उपादेयता को सुस्पष्ट कराना।
7. छात्रों की संवेदनाओं को जागतृ कर उन्हें सजग एवं जिम्मेदार नागरिक बनाना।

PSOs:

1. छात्रों के साहित्यिक ज्ञान को समृद्ध तथा सशक्त कराना।
2. छात्रों में साहित्यिक कृतियों का विवेचन, विश्लेषण,व्याख्या एवं समीक्षा करने की क्षमता को विकसित कराना।
3. छात्रों में हिंदी में तकनिकी क्रियाकलाप करने की क्षमता को विकसित कराना।
4. संवेदनशीलता,कर्तव्य-परायणता और जागृत व्यक्तित्व को विकसित कराना।

Part B

Syllabus Prescribed for 2023-24 Year UG Programme

Programme: B.A. II

Semester-III

Hindi Literature

Code of the Course/ Subject	Title of the Course/ Subject	(Total Number of Periods)	Total Credits
1053	हिंदी साहित्य (वैकल्पिक)	75	4

Cos:

1. छात्र साहित्य का विवेचन, विश्लेषण और समीक्षा कर सकेंगे।
2. एकांकियों तथा निबंधो की उपादेयता और महत्ता को अनुभूति और अभिव्यक्त करने में सक्षम होंगे।
3. विभिन्न चरणों में लिखे गये साहित्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति और इतिहास का अध्ययन करने में समर्थ होंगे।
4. छात्र हिंदी साहित्य के अध्ययन से साहित्यिक ज्ञान से अवगत होंगे।
5. छात्र साहित्य की विभिन्न विधाओं से परिचित होंगे।
6. कौशल विकास के अंतर्गत सम्मिलित इकाइयों के माध्यम से तकनिकी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
7. छात्रों के सर्वांगीण व्यक्तित्व का निर्माण करने की आधारशिला रखी जायेगी।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक : 'साहित्य प्रभा', राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

इकाई(Unit)	पाठ्यक्रम(Syllabus)	कुल तासिकाएँ(Total Period)
इकाई 1	❖ एकांकी 1. रीढ़ की हड्डी- जगदीशचंद्र माथुर 2. परदे के पीछे- उदयशंकर भट्ट 3. विभाजन - विष्णु प्रभाकर 4. सिपाही की माँ- मोहन राकेश 5. दीपदान- रामकुमार वर्मा	15
इकाई 2	❖ हिंदी साहित्य का इतिहास 1. हिंदी साहित्य इतिहास के लेखन की परम्परा 2. हिंदी साहित्य इतिहास लेखन की समस्याएं 3. हिंदी साहित्य का काल विभाजन	15
इकाई 3	❖ साहित्यशास्त्र 1. काव्य हेतु 2. काव्य प्रयोजन 3. काव्य लक्षण	15

इकाई 4	❖ हिंदी के प्रतिनिधि एकांकीकारों का सामान्य परिचय 1. जगदीशचंद्र माथुर 2. विष्णु प्रभाकर 3. रामकुमार वर्मा 4. मोहन राकेश	15

Cos:

1. इकाइयों के माध्यम से ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. छात्रों के सर्वांगीण व्यक्तित्व का निर्माण करने की आधारशिला रखी जायेगी ।
3. छात्रों द्वारा समाचार पत्रों में कहानियों के संकलन के माध्यम से उनमें संकलन क्षमता में वृद्धि होगी।
4. छात्रों में परिसंवाद के माध्यम से मंच साहसी वृत्ति में वृद्धि होगी ।

	○ समाचार पत्रों में प्रकाशित 5 कहानियों का संकलन- 10 अंक ○ किसी एक एकांकी पर 'परिसंवाद' प्रस्तुति- 10 अंक	15

प्रश्नपत्र का स्वरूप -

80 अंक प्रश्नपत्र के लिए तथा 20 अंक अंर्तगत मूल्यांकन के लिए

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित अतिलघूत्तरी/वस्तुनिष्ठ प्रश्न   20 x 1 = 20
2. अ) इकाई-1 सन्दर्भ सहित व्याख्या विकल्प के साथ   10 x 1 = 10
   ब) लघूत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ   5 x 1 = 05
3. इकाई-2 से अ) दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ   10 x 1 =10
   ब) लघूत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ   5 x 1 = 05
4. इकाई-3 से अ) दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ   10 x 1 =10
   ब) लघूत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ   5 x 1 = 05
5. सम्पूर्ण पाठक्रम से:
   अ) दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ   10 x 1 =10
   ब) लघूत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ   5 x 1 = 05

आंतरिक मूल्यांकन - 20

Sant Gadge Baba Amravati University, Amravati

Syllabus Prescribed Under Choice based Credit system 2023-24

Faculty: Humanities

Syllabus Prescribed for 2023-24 Year

Programme: B.A. II (Sem-IV)

Hindi Literature

Part B

Code of the Course/ Subject	Title of the Course/ Subject	(Total Number of Periods)	Total Credits
1053	हिंदी साहित्य (वैकल्पिक)	75	4

Cos :

1. छात्र साहित्य का विवेचन, विश्लेषण और समीक्षा कर सकेंगे।
2. निबंधों की उपादेयता और महत्ता को अनुभूति और अभिव्यक्ति करने में सक्षम होंगे।
3. हिंदी में प्रतिष्ठित निबंधकारों के साहित्य से छात्रों का परिचय होगा।
4. विभिन्न चरणों में लिखे गये साहित्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति और इतिहास का अध्ययन करने में समर्थ होंगे।
5. छात्र हिंदी साहित्य के इतिहास के अध्ययन से परिचित होंगे।
6. छात्र साहित्य अंतर्गत अलंकार, शब्दशक्ति एवं छंदों से परिचित होंगे।
7. कौशल विकास के अंतर्गत सम्मिलित इकाइयों के माध्यम से तकनिकी ज्ञान प्राप्त सकेंगे।
8. छात्रों के सर्वांगीण व्यक्तित्व का निर्माण करने की आधारशिला रखी जायेगी।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक : 'साहित्य प्रभा', राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

इकाई(Unit)	पाठ्यक्रम (Syllabus)	कुल तासिकाएँ (Total Period) 75
इकाई 1	❖ निबंध 1. आचरण की सभ्यता- सरदार पूर्णसिंह 2. नाखून क्यों बढ़ते हैं?- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी 3. पहला सफेद बाल- हरिशंकर परसाई 4. सभ्यता और संस्कृति- रामधारीसिंह 'दिनकर' 5. भोजन, पोषण विज्ञान व स्वास्थ्य- डॉ. श्रीमती. सुरजीत मल्हन	15
इकाई 2	❖ हिंदी साहित्य का इतिहास 1. आदिकाल नामकरण 2. आदिकाल की सामान्य विशेषताएं 3. आदिकाल के धार्मिक साहित्य- जैन,सिद्ध व नाथ साहित्य।	15

इकाई 3	❖ साहित्यशास्त्र 1. अलंकार- यमक, उपमा, रूपक, श्लेष, उत्प्रेक्षा। 2. शब्दशक्ति 3. छंद- दोहा, रोला, छप्पय, चौपाई, सोरठा।	15
इकाई 4	❖ हिंदी के प्रतिनिधि निबंधकारों का सामान्य परिचय 1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल 2. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी 3. विद्यानिवास मिश्र 4. रामधारीसिंह 'दिनकर'	15

COs:

1. छात्र आधुनिक काव्य की राष्ट्रीयता के बोध से अवगत हो सकेंगें।
2. छात्र स्थानीय बोलीभाषा के माध्यम से आधुनिक भाव-बोध का अध्ययन कर सकेंगे।
3. छात्र अहवाल लेखन के माध्यम से हिंदी उपन्यासों पर बनी फिल्मों से परिचित होकर अध्ययन कर सकेंगे।
4. छात्र हिंदी भाषा के माध्यम से स्थानीय सांस्कृतिक प्रतीकों को उजागर कर सकेंगे।
5. वृत्तांत लेखन के माध्यम से लेखन कार्य के प्रति रूचि निर्माण कर कार्यक्रमों के प्रति रूचि निर्माण कर सकेंगे।

अंतर्गत मूल्यांकन	❖ हिंदी कौशल विकास ○ महाविद्यालय में संपन्न किसी एक कार्यक्रम का वृत्तांत लेखन- 10 अंक ○ हिंदी उपन्यास पर बनी हुई किसी एक फिल्म का अहवाल लेखन-10 अंक	15

प्रश्नपत्र का स्वरूप -

80 अंक प्रश्नपत्र के लिए तथा 20 अंक अंतर्गत मूल्यांकन के लिए

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित अतिलघूत्तरी/वस्तुनिष्ठ प्रश्न 20 x 1 = 20
2. अ) इकाई-1 सन्दर्भ सहित व्याख्या विकल्प के साथ 10 x 1 = 10
   ब) लघूत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ 5 x 1 = 05
3. इकाई-2 से अ) दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ 10 x 1 =10
   ब) लघूत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ 5 x 1 = 05
4. इकाई-3 से अ) दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ 10 x 1 =10
   ब) लघूत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ 5 x 1 = 05
5. सम्पूर्ण पाठक्रम से:
   अ) दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ 10 x 1 =10
   ब) लघूत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ 5 x 1 = 05

आंतरिक मूल्यांकन - 20

Reference Books:

1. साहित्य प्रभा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. साहित्य रुप और तत्व- शिवानंद प्रसाद

3. अभिव्यक्ति भाग तीन- अमरावती विद्यापीठ अमरावती
4. हिन्दी व्याकरण- कामताप्रसाद गुरु, लोकभारती प्रकाशन, पहिली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गाँधी मार्ग, प्रयागराज
5. संत नामदेव का समाज चिंतन- डॉ. रवींद्रकुमार यशवंत शिरसाट, श्रीराम प्रकाशन, जी-398, गुजैनी, कानपुर- 208022
6. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास- बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, पहिली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गाँधी मार्ग, प्रयागराज
7. बिहारी रत्नाकर श्री। जगन्नाथ 'रत्नाकर'प्रकाशन संसथान,नई दिल्ली
8. भाषा विज्ञान- डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल पब्लिशर्स
9. अनुवाद सिध्दांत और समग्र पत्राचार- डॉ. शम्भूनाथ द्विवेदी, पूजा पब्लिकेशन, 6-B, बौद्धनगर, नौबस्ता, कानपुर
10. अमीर खुसरो का हिन्दवी काव्य- गोपीचंद नारंग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
11. हिंदी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल-कमल प्रकाशन
12. हिन्दी कहानी संग्रह-सम्पादक भीष्म साहनी,साहित्य अकादेमी, रविन्द्र भवन,35, फिरोजशाह मार्ग, नई दिल्ली-110001
13. कहानी संकलन- मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी
14. क्षृंखला की कड़ियाँ- महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, पहिली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गाँधी मार्ग, प्रयागराज
15. नीरज कारवां गुज़र गया=हिन्द पॉकेट्स बुक्स
16. गोपालदास नीरज हमारे लोकप्रिय गीतकार-सं. शेरगंज गर्ग,वाणी प्रकाशन, 21-ए, दरियागंज, नयी दिल्ली-110002
17. निबंध निलय- डॉ. सत्येन्द्र, वाणी प्रकाशन, 21-ए, दरियागंज, नयी दिल्ली-110002
18. अनुभति-अमरावती विद्यापीठ, अमरावती
19. हिन्दी एकांकी- डॉ. पदमा सिंह,डॉ. शशिप्रभा पाण्डे, डॉ. अंजली सिंह, मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी
20. अभिव्यक्ति भाग-3, अमरावती विद्यापीठ, अमरावती
21. हिन्दी गद्य-संकलन- मधुलिका राय, एस. चन्द एण्ड कम्पनी लि. रामनगर, नई दिल्ली-110055
22. हिन्दी व्याकरण- कामताप्रसाद गुरु, लोकभारती प्रकाशन, पहिली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गाँधी मार्ग, प्रयागराज
23. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास- बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, पहिली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गाँधी मार्ग, प्रयागराज
24. संस्मरण साहित्य विधा शास्त्र और इतिहास- डॉ. बापूराव देसाई, पराग प्रकाशन कानपुर, 311 सी. विश्व बैंक बर्रा, कानपूर-208027
25. केदारनाथ अग्रवाल का काव्य संसार- डॉ. अतिया असेरी, गरिमा प्रकाशन कानपुर
26. केदारनाथ अग्रवाल के काव्य में ग्रामीण चेतना- डॉ. डी. जी. राणभरे, पराग प्रकाशन कानपुर, 311 सी. विश्व बैंक बर्रा, कानपूर-208027
27. समस्यामूलक उपन्यासकार प्रेमचदं - डॉ. महेन्द्र भटनागर
28. प्रेमचदं एक अध्ययन- डॉ. राजेश्वर गरुु
29. साहित्य रुप और तत्व- शिवानंद प्रसाद
30. साहित्य पथ संपादक- डॉ. इन्द्रपालसिहं
31. साहित्य का साथी (प्रकाशक, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति , वर्धा)
32. वसतं - संपादक, हिंदी हिंदी अभ्यास मडंल, प्रकाशक, राघव पब्लिकेशन, नागपुर
33. तीसरा क्रॉस, के. आर लेआउट/ आठवा फेज, जे. पी. नगर बैंगलोर, 560078
34. भाषा और भाषा विज्ञान - डॉ. गजानन वानखेड़े
35. हिन्दी भाषा, सरंचना और व्यावहारिक व्याकरण-प्रो.वै.वेंकटरमण राव, अन्नपूर्णा प्रकाशन, 127/1100 डब्ल्यू वन, साकेत नगर, कानपुर

36. नटरंग- राघव पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नागपुर
37. काव्य के तत्व- देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, पहिली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गाँधी मार्ग, प्रयागराज
38. व्यवहारोपयोगी एवं कामकाजी हिंदी- अनंत केदारे, साहित्यायन, 124/152-सी, गोविन्दनगर, कानपुर-208006
39. प्रयोजन मूलक हिन्दी, डॉ. दक्षा निमावत, अभय प्रकाशन, कानपुर,6A/540, आवास विकास, हंसपुरम, कानपुर
40. सर्जना साहित्यिक निबन्ध- डॉ. पीताम्बर सरोदे, चंद्रलोक प्रकाशन
41. हिन्दी एकांकी और एकांकीकार- डॉ. रमा सूद, अन्नपूर्णा प्रकाशन, 127/1100 डब्ल्यू वन, साकेत नगर, कानपुर
42. व्यावसायिक पत्रकारिता- रमेश जैन, बोहरा प्रकाशन, चौड़ा रास्ता, जयपुर
43. प्रयोजन मूलक हिन्दी : अधुनातन आयाम- डॉ. अम्बादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, 57-P, कुंज विहार- II (यशोदा नगर), कानपुर-11
44. हिन्दी संक्षेपण, पल्लवन और पठबोधन- डॉ. हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, बी-31, गोविन्दपुर कॉलोनी, इलाहाबाद- 211004
45. हिन्दी के प्रतिनिधि कवि- डॉ. विजय प्रकाश मिश्र, विद्या प्रकाशन, सी- 449, गुजैनी, कानपुर
46. समकालीन एकांकी : संवेदना एवं शिल्प- डॉ. रंजना रा. वर्दे- अग्रवाल, विकास प्रकाशन कानपुर,
47. वैश्विक सन्दर्भ में अनुवाद की भूमिका- सम्पादक डॉ. रजनी धारी, विकास प्रकाशन कानपुर